

संक्षिप्त खबरें

नशा की सामग्री बेचने पर होगी कड़ी कार्रवाई

मधुबनी नशा बेचने की शिकायत मिलने के बाद मधुबनी पुलिस अधीक्षक ने की बड़ी कार्रवाई।

एप्रोको बता दें कि मधुबनी एसपी

सुशील कुमार एवं दूसरे दलबल के

मधुबनी एसपी ने लगभग आधा वर्ष

स्टेशनरी दुकानों पर छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान नशा की सामग्री

बारामद बारामद नहीं हुई लेकिन

मधुबनी एसपी ने हादियां दी

की फीटी भी बाजाने से इस प्रश्नबदी

वाले राज्य में नशा की सामग्री प्राप्त

होने पर बड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एक आरोपी एवं एक गारंटी को

पुलिस ने किया गिरफ्तार

कल्याणपुर, समस्तीपुर। वक्रमेहसी थाना

क्षेत्र के बैदिकायारपुर पांच संडीजीत

महोनों के पुत्र भीष्म महोनों को पुलिस ने

गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार युक्त

नामजद आरोपी था। दूसरा गिरफ्तार

कल्याणपुर, समस्तीपुर। वक्रमेहसी थाना

क्षेत्र के मासूम नारव वक्रमेहसी की से

रामनारायण राय के पुत्र उपेंद्र राय को

गिरफ्तार कर लिया है। वही वक्रमेहसी

थाना अध्यक्ष वक्रमेहसी थाना कांड संख्या

159/24 के आरोपी को गुप्त सूचना के

अधार पर पुलिस को गिरफ्तार कर

लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पुलिस

ने किया गिरफ्तार

कल्याणपुर, समस्तीपुर। वक्रमेहसी थाना

क्षेत्र के बैदिकायारपुर गांव से इंडीजीत

महोनों के पुत्र भीष्म महोनों को पुलिस ने

गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार युक्त

नामजद आरोपी था। दूसरा गिरफ्तार

वक्रमेहसी थाना

क्षेत्र के मासूम नारव वक्रमेहसी की से

रामनारायण राय के पुत्र उपेंद्र राय को

गिरफ्तार कर लिया है। जहां तो जिस

पोको एक के आरोपी को पुलिस

ने किया गिरफ्तार

कल्याणपुर, समस्तीपुर। वक्रमेहसी थाना

क्षेत्र के बैदिकायारपुर गांव में छिले वर्ष हुई फैलाये के

नामजद वक्रमेहसी थाना कांड संख्या

159/24 के आरोपी को गुप्त सूचना के

अधार पर पुलिस को गिरफ्तार कर

लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पुलिस

ने किया गिरफ्तार

कल्याणपुर, समस्तीपुर। वक्रमेहसी थाना

क्षेत्र के बैदिकायारपुर गांव में अप्रैल

हर्ष कुमार उर्फ अजय कुमार हर्ष को

पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर

गिरफ्तार कर लिया है। जहां तो किं

पिछले वर्ष सात माह में नानी की

आई फिलोरी के साथ शीश करने के

लिए घर से बाहर गई थी। जहां पहले से

घाट लगाए आरोपी ने अपने साथी के

साथ निकालकर गैंग रें किया था। जिस

मामले में वक्रमेहसी थाने में प्राथमिक

कार्यकारी जोड़ी बाजार गांव में

गिरफ्तार कर लिया है। वही वक्रमेहसी

थाना अध्यक्ष द्वारा गिरफ्तार कर

लिया है। जहां तो जिस

पोको एक के आरोपी को पुलिस

ने किया गिरफ्तार

कल्याणपुर, समस्तीपुर। वक्रमेहसी थाना

क्षेत्र के बैदिकायारपुर गांव में अप्रैल

हर्ष कुमार उर्फ अजय कुमार हर्ष को

पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर

गिरफ्तार कर लिया है। जहां तो किं

पिछले वर्ष सात माह में नानी की

आई फिलोरी के साथ शीश करने के

लिए घर से बाहर गई थी। जहां तो

वक्रमेहसी थाना अध्यक्ष द्वारा गिरफ्तार

कर लिया है। जहां तो जिस

पोको एक के आरोपी को पुलिस

ने किया गिरफ्तार

कल्याणपुर, समस्तीपुर। वक्रमेहसी थाना

क्षेत्र के बैदिकायारपुर गांव में अप्रैल

हर्ष कुमार उर्फ अजय कुमार हर्ष को

पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर

गिरफ्तार कर लिया है। जहां तो किं

पिछले वर्ष सात माह में नानी की

आई फिलोरी के साथ शीश करने के

लिए घर से बाहर गई थी। जहां तो

वक्रमेहसी थाना अध्यक्ष द्वारा गिरफ्तार

कर लिया है। जहां तो जिस

पोको एक के आरोपी को पुलिस

ने किया गिरफ्तार

कल्याणपुर, समस्तीपुर। वक्रमेहसी थाना

क्षेत्र के बैदिकायारपुर गांव में अप्रैल

हर्ष कुमार उर्फ अजय कुमार हर्ष को

पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर

गिरफ्तार कर लिया है। जहां तो किं

पिछले वर्ष सात माह में नानी की

आई फिलोरी के साथ शीश करने के

लिए घर से बाहर गई थी। जहां तो

वक्रमेहसी थाना अध्यक्ष द्वारा गिरफ्तार

कर लिया है। जहां तो जिस

पोको एक के आरोपी को पुलिस

ने किया गिरफ्तार

कल्याणपुर, समस्तीपुर। वक्रमेहसी थाना

क्षेत्र के बैदिकायारपुर गांव में अप्रैल

हर्ष कुमार उर्फ अजय कुमार हर्ष को

पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर

गिरफ्तार कर लिया है। जहां तो किं

पिछले वर्ष सात माह में नानी की

आई फिलोरी के साथ शीश करने के

लिए घर से बाहर गई थी। जहां तो

वक्रमेहसी थाना अध्यक्ष द्वारा गिरफ्तार

कर लिया है। जहां तो जिस

पोको एक के आरोपी को पुलिस

ने किया गिरफ्तार

कल्याणपुर, समस्तीपुर। वक्रमेहसी थाना

क्षेत्र के बैदिकायारपुर गांव में अप्रैल

हर्ष कुमार उर्फ अजय कुमार हर्ष को

पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर

गिरफ्तार कर लिया है। जहां तो किं

पिछले वर्ष सात माह में नानी की

आई फिलोरी के साथ शीश करने के

लिए घर से बाहर गई थी। जहां तो

कितने पूर्व सीएम सांसद बनेंगे

गानमंत्री नरेंद्र मोदी की 370 सीट जीतने के लक्ष्य को हासिंगड़े ने के लिए भाजपा इस बार पूरे देश में मजबूत नेताओं को चुनाव द्वारा रही है। प्रदेश की राजनीति में ही सक्रिय रहे नेताओं औंगे मुख्यमंत्रियों को लोकसभा की टिकट दी गई है। आमतौर पर मुख्यमंत्री सांसद बनते हैं और उनकी पार्टी की केंद्र में सरकारी हताहती है तो वे मंत्री भी बनते हैं। बहरहाल, भाजपा ने अभी तक 17 उम्मीदवारों की घोषणा की है, जिसमें उसने आधा दर्जन पूर्व मुख्यमंत्रियों को मैदान में उतारा है। हालांकि दो पूर्व मुख्यमंत्रियों टिकट भी कटी है लेकिन उनके बारे में पहले से अंदाजा था। राखिंड के पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री डीवी सदानंद गौड़ा को इस बार टिकट नहीं मिला। पिछली बार चुनाव जीते पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा को फिर राखिंड से टिकट दी गई है। हालांकि पिछली बार वे बहुत मामूली तर तर से चुनाव जीत थे। असम के पूर्व मुख्यमंत्री सबार्नद सोनोवाल ने अन्यसभा सांसद हैं। इस बार पार्टी ने उनको लोकसभा चुनाव में उतारा था ये दोनों पूर्व मुख्यमंत्री केंद्र सरकार में मंत्री हैं। इनके अलावा पांच राज्यसभा सांसद हैं। इन्हें उनको लोकसभा चुनाव ले लेने की इच्छा है तो हरियाणा के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के दो दिन बाद मनोहर लाल खट्टू के नाम का भी ऐलान हो गया। उधर कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोर्मई को भी पार्टी ने चुनाव में उतारा था। राखिंड के मुख्यमंत्री रहे त्रिवेंद्र सिंह रावत का भी इस बाकी सभा की टिकट मिली है।



लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

ANSWER

111

सरकारों के दैरान सरकारी कोष वै पैसे का दुरुपयोग होता रहा है। मोर्ता जी के सभी चुनावी भाषणों में औं अन्यत्र भी वे कांग्रेस को भ्रष्टाचार परिवादाव और तुष्टिकरण व खदान कहते हैं। उनके निशाने प सभी विपक्षी दल हैं, यद्यपि वे बीं पटनायक को कुछ ज्यादा नहीं कहते परन्तु उनकी यह तो दिली इच्छा होगी कि उड़ीसा में भी कमल खिले तेलंगाना में जब भारत राष्ट्र समिति (पूर्व में तेलंगाना राष्ट्र समिति) के राव की सरकार थी तो मोर्ता जी ने अनुसार वे एन.डी.ए. में शामिल हो के लिए मोर्ता जी से प्रार्थना कर रहे जिसे मोर्ता जी ने ठुकरा दिया। कह हैं आन्ध्र में तेलुगू दशम फिर से ए

क्योंकि भ्रष्टाचार के मामले में वे जेल जा चुके हैं और वर्तमान में जमानत पर हैं परन्तु फिर से गिरफ्तारी का बारंट उनके सिर पर है। वर्तमान में वहां के मुख्यमंत्री अपनी कांग्रेस का विलय भी एन.डी.ए. में चाहते हैं। पिछले दिनों सरकारी विज्ञापन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने आम आदामी पार्टी को फटकार लगाई थी कि आपके पास अपने कारनामे विज्ञापन में देने के लिए तो पैसे हैं परन्तु दिल्ली मेरठ रैपिड रेल के लिए अपने हिस्से का पैसा नहीं देते। आजकल हर टी.वी. चैनल पर सरकार की ओर से मोदी की गरंटी के विज्ञापन आ रहे हैं। कोई बसों में चूर्ण बेचने जैसा मोदी की गरंटी का पर्चा बाट रहा है जिसमें 5 साल तक उसकी मां करती है और उसकी मां देखभाल मोदी जी करते हैं किसी दूनमें जल देकर, किसी को गैस देखिलेण्डर देकर किसी को मुफ्त राश देकर। एक साइकिल में जा रहा बुकहता है कि अब तो मोदी की गारंटी होने की भी गारंटी है। ये विज्ञापन शुद्ध रूप से आगामी लोकसभा चुनावों को लेकर है, परन्तु इनका खापार्टी से न जाकर भारत सरकार खाते से जा रहा है। पंजाब सरकार के भी खूब विज्ञापन आ रहे हैं केजरीवाल तो विज्ञापन देने में मात्र हैं ही। उत्तराखण्ड सरकार का समाजनागरिक सहिती का विज्ञापन सरकार खर्च पर खूब आ रहा है। विपक्ष आरोप लगाते हैं कि सन् 2014

की
को
का
न
डॉ
टी
न
व
च
के
पार
।
हर
न
री
सी
मे

फिर वे गुजरात से क्यों खड़े हुए।
से त्यागपत्र देकर वाराणसी की
रखी कि मां गंगा और पशुपतिना
उद्देश बुलाया है। जय शिव शंकर
मोदी जी ! आजकल जहां भी
जी जाते हैं, वहां की परियोजना
का लोकार्पण करते हैं। उनकी सु
इंतजाम में एक अनुमान के अनु
10 करोड़ खर्च होता है। वे स्वयं
इंटरनेट की बात करते हैं। डिजिट
इण्डिया की बात करते हैं, तो वे
आपैप लगाते हैं कि क्यों कर वे न
व्यक्तिगत उपस्थित होकर उड़ाटा
शिलान्यास करते हैं जबकि ऐसे
डिजिटल भी कर सकते हैं। उन
व्यक्तिगत उपस्थिति से सरकार
भी 10 करोड़ खर्च होते हैं। 3

वहां सीट थ ने जय मोदी आंगों रक्षा सुसार वं ही कटल पक्षी स्वयं न या गा वे नकी मे अन्य कहते हैं कि राहुल गांधी जहां जाते हैं, वहां उन्हें मिली सुरक्षा के कारण उनकी सरकारी कार भी हवाई जहाज से जाती है। अभी खड़गे जी को जेड प्लस सुरक्षा दी गई है। लोकसभा सांसद या राज्य विधानसभा विधायक या मुख्यमंत्री या मंत्री या अन्य कोई जब भी अपनी पार्टी के प्रचार के लिए जाता है तो उसका उस दिन का वेतन, भत्ता, कटता नहीं है। भारत में किस चुनाव आयोग की हिम्मत है कि कहें कि जब ऐसे लोग अपनी पार्टी के प्रचार के लिए जाते हैं तो उसे दिन का वेतन भत्ता उहें नहीं दिया जाये। असल में सरकारी खजाने का बहुत बड़ा भाग तो वेतन भोगी कर्मचारी देते हैं क्योंकि उनके वेतन से ही इनकम विपक्ष का आरोप है कि बहुत बड़े बड़े उद्योगपतियों के बैंक से लिए कर्ज माफ कर दिये गये हैं। असल में हाँ जब आज रामकाज की बात करते हैं तो वाल्मीकि रामायण में बहुत विस्तार से राम जी भरत को शासन करने की नीति समझाते हैं। मनु सृष्टि व अन्दर धर्म ग्रंथों, व संस्कृत की सार्वजनिक कृतियों में भी राजा के लक्षण बतलाया गये हैं। भागवत महापुराण में इस पर बहुत विस्तार से चर्चा है। नीति तक आदि ग्रंथों में भी विस्तार से राजनीति समझाई गई है। अच्छा हो इन पर आचरण भी हो। यूं ताजा उदाहरण ते अटल जी का राजधर्म पर मोदी जी के लिए है। राजनीति धर्म के बिना अधर्म है। मोदी जी भी दृण-दृण सकल्पी है।

एसनीयता पहले दिन से संदिग्ध रही है। माजपा के 10 साल के शासनकाल में ये अविथवास कम 2019 के आम चुनाव तक उसी संदिग्ध इरीएम से कराए गए थे जिससे कि 2024 के चुनाव कराए गए थे।

विपक्ष का सूपड़ा साफ कर दिया था और ज्योतिरादित्य सिंहिया जैसे तमाम अंगेय नेताओं को परागित कर प्रचंड बहुमत हासिल किया था। अकेले भाजपा को 303 सीटें और 37 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे। चुनावों में सूपड़ा साफ करने एक तकनीकी नहीं है। इसके लिए या तो अंडर करेट की जरूरत पड़ती है या किसी घमतकार की। जिस लक्ष्य को भाजपा ने 2019 में पार किया था उसी कांग्रेस 1952, 57, 62, 71 और, 80 में पहले ही पार कर युक्ति है। भाजपा के 2024 वाले निर्धारित लक्ष्य 400 को भी कांग्रेस ने 1984 में बिना गठबंधन के अकेली दम पर 404 सीटें जीतकर हासिल कर दिया था। इसके लिए कांग्रेस को किसी अवतार की जरूरत नहीं पड़ी थी। तब ईवीएम नहीं बल्कि कागज की पर्विरासी थीं। कांग्रेस की दुर्दशा तो 2009 के बाद से होना शुरू हुई है। इस दुर्दशा में कांग्रेस का नेतृत्व और ईवीएम दोनों बांधकामी कारण हैं। दुर्भाग्य ये है कि ईवीएम को सारे आम चोर कहने वाले लोग अभी तक ईवीएम के खिलाफ खड़े नहीं हो पाए हैं। ईवीएम को लेकर सभी विपक्षी दलों का व्यवहार अस्पष्ट है। विपक्ष गुड़ भी खाना चाहता है और गुलगुलों से परहेज़ भी करना चाहता है।



1

हालांकि राजीव गांधी के वाले लोग इलेक्टोरल बां

10

ये तो डर्केन्ट (EVM हैंडिंग) निकला..
कर रहा। विषयक न ईवीएम को मुद्दा बना पाया न इलेक्टोरल बांड का। विषयक अभी तक कोई निर्णायक और अपीली करने वाला मद्दा बना ही नहीं

अवतारी नेता नहीं है। भाजपा का नेतृत्व इस समय जो चाहे सो रूप धर सकता है। इस समय भाजपा कामरूप है। उसके पास धनबल बाहबल और को लेकर केवल और केवल डंफारुख अब्दुल्ला बोले। लोकसभा चुनाव में लड़ाई मुद्दों से हटका चौहारों पर सिमट गयी है। चनाव

इवाएम है, इसलए आम चुनाव में जब वोट डालें तो इवीएम को ठोक - बजाकर देख जरूर लें। पर्चियों का मिलान कर लें, अपने वोट की रक्षा करण करोंगे वोट है आपका। खानदानी नेता डॉ फारुख अब्दुल्ला तजुबेकर नेता भी हैं। रंगीन तबियत के हांसमुख नेता हैं। प्रगतिशील हैं, धर्मनिष्ठ और धर्मनिरपेक्ष नेता हैं। मुझे निजी तौर पर पसंद हैं। मोदी जी से ज्यादा, फारुख साहब पसंद हैं, अलवत्ता वे प्रधानमंत्री नहीं हैं। राष्ट्रपति नहीं हैं। अब होंगे भी नहीं। वैसे उन्होंने प्रधानमंत्री बनने का ख्वाब तो जरूर देखा होगा। भले ही वे प्रधानमंत्री नहीं बने लेकिन वे देश के किसी भी प्रधानमंत्री से ज्यादा चर्चित और लोकप्रिय नेता हैं। सलीकेदार हैं। किसी को अछूत नहीं मानते। इवीएम को चोर कहना उतना ही बड़ा दुस्साहस है जितना कि किसी चौकीदार को चोर कहना है। हमारे यहां मिस्टर कलीन की छवि के एक प्रधानमंत्री राजीव गांधी को भी इस देश में चोर कहा गया।

का पसा राजसात किया गया और न किसी को इस असंवैधानिक और आपराधिक मामले में जेलों में भेजा गया। हमारे यहां किसी को जेल भेजना या तो बेहद आसान काम है या बेहद कठिन। देश में इवीएम की विश्वसनीयता पहले दिन से संदिग्ध रही है। भाजपा के 10 साल के शासनकाल में ये अविश्वास कम होने के बजाय बढ़ा है। 2019 के आमचुनाव भी उसी संदिग्ध इवीएम से कराए गए थे जिससे कि 2024 के चुनाव कराए जा रहे हैं। आपको याद होगा की 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने इसी इवीएम मशीन के जरिये चुनाव लड़ते हुए विपक्ष का सूपड़ा साफ कर दिया था और ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे तमाम अजेय नेताओं को पराजित कर प्रचंड बहुमत हासिल किया था। अकेले भाजपा को 303 सीटें और 37 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे। चुनावों में सूपड़ा साफ करना एक तकनीक नहीं है। इसके लिए या तो अंडर करेंट की जरूरत पड़ती है या

हा। भाजपा के 2024 के निधारत लक्ष्य 400 को भी कांग्रेस ने 1984 में बिना गठबंधन के अकेली दम पर 404 सीटें जीतकर हासिल कर दिखाया था। इसके लिए कांग्रेस को किसी अवतार की जरूरत नहीं पड़ी थी। तब इवीएम नहीं बल्कि कांग्रेस की पर्चियां थीं। कांग्रेस की दुर्दशा तो 2009 के बाद से होना शूरू हुई है। इस दुर्दशा में कांग्रेस का नवतृत और इवीएम दोनों बड़े कारण हैं। दुर्भाग्य ये है कि इवीएम को सरे आम चोर कहने वाले लोग अभी तक इवीएम के खिलाफ खड़े नहीं हो पाए हैं। इवीएम को लेकर सभी विपक्षी दलों का व्यवहार अस्पष्ट है। विपक्ष गुड़ी भी खाना चाहता है और गुलगुलों से परहेज भी करना चाहता है। मुझे ये लिखने में कोई संकोच नहीं है कि विपक्षी दल उन तमाम मुद्दों को लेकर देश में सरकार के विरुद्ध कोई आंदोलन अब तक खड़ा नहीं कर पाया। यानि इवीएम चोर कही जाती है कि न्तु कोई भी विपक्षी दल इवीएम के बहिष्कार की बात नहीं बना सकता। विपक्ष का यहां कमज़र नस है। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के मुर्बी में समापन के मौके पर डॉ फारुख अब्दुल्ला ने एक बार फिर से इवीएम का राग अलापकर कांग्रेस ही नहीं बल्कि बाकी के राजनीतिक दलों की दुखती रग पर हाथ रख दिया है। डॉ अब्दुल्ला ने कहा है कि जिस दिन झंडिया गठबंधन सत्ता में आएगा उसी दिन से इवीएम का भी अंत हो जाएगा। फिलहाल तो डॉ अब्दुल्ला का दावा हवा -हवाई है। न नौ मन तेल होगा और न राधा नाचेगी। झंडिया गठबंधन जिस तरीके से लोकसभा चुनाव लड़ रहा है उसे देखकर नहीं लगता की डॉ फारुख अब्दुल्ला का सपना 2029 में पूरा हो पायगा। देश से इवीएम को विदा करना है तो पहले इवीएम के सहारे एक दशक से जादू कर रखी भाजपा को सत्ता से हटाना होगा। ये असम्भव नहीं किन्तु कठिन काम जरूर है ज्योतिकि इस समय देश में किसी भी दल के पास भाजपा जैसा संगठनात्मक ढाँचा, मजबूत अर्थशास्त्र और भव्य, दिव्य तथा छलबल इकरात म ह इस मामल म कांग्रेस समेत समूचा विपक्ष कंगल है, फटेहाल है। आपको बता दूँ कि तमाम अविश्वास के बावजूद भारत में मतदाताओं की मौजूदा चुनाव प्रक्रिया में दिलचस्पी बरकरार है। देश के पहले चुनाव में जहाँ 45 फीसदी मतदाताओं ने चुनाव में हिस्सा लिया था वहाँ पिछले आम चुनाव में ये भागीदारी 68 फीसदी तक पहुँच गयी था। इस बार ये प्रतिशत यदि बढ़ता है तो समझा जाएगा कि आम जनता को इवीएम से कोई शिकायत नहीं है, शिकायत के बल राजनीतिक दलों को है। और यदि ये भागीदारी कम होती है तो समझा जाएगा कि इवीएम का विरोध जायज है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन समारोह में डॉ फारुख अब्दुल्ला ही नहीं जम्मू-कश्मीर से पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ़्ती भी थीं और बिहार से तेजस्वी यादव भी, तमिलनाडु से स्टालिन भी। सबके स्वर एक जैसे थे, लेकिन इवीएम के विरोध म एक ही मुद्दा ह आर वा ह मां नरेंद्र मोदी जी। मोदी जी हर तरह से देख रहा है। मोदी जी के भाई बाबा राहुल गांधी के झाईचारों से नहीं है, क्योंकि विपक्ष ने अब तक अबकी बार राहुल गांधी की सरकार का नारा नहीं दिया है। नारा अबकी बार झंडिया गठबंधन की सरकार का भी ढंग से नहीं गूंज है। विपक्ष को एक स्पष्ट नारा एक स्पष्ट चेहरा भी मोदी जी के बाबा दे रहे हो चकी है। विपक्ष को सत्तापक्ष से कैसे लड़ना है ये विपक्ष जाने। हमारा काम हम कर रहे हैं। मतदाताओं को अपना काम करने का चाहिए। मतदाता 60 अरब कमाने वालों के मुकाबले के बल दो रुपए जायज है। अन्यथा 1975 की तरह समग्र क्रांति का पर्याय तलाशे। या 1985 की तरह व्यक्ति आ चुका है जैसा कोई नारा उछाले।

गठन कर प्रतिरोध की कौशिश की योगदान नहीं है, वह स्वयं ही इस है कि उनकी (आजादी के शताब्दी में कोई चुनौती भी नहीं है। वे जब भविष्य देख रहे हैं, तो क्या ग

इतिहास हर जग

दाहराता है, किर चाह राजनात हो क्यों न हो? आज से अर्द्धशतक वर्ष पहले अपनी ह्यादादिगिरि हेंड के बलबूते पर जहां कांग्रेस नेत्री इंदिरा जी ने देश में आपातकाल लगाकर उन्नीस महीने तक तानाशाहीपूर्ण शासन चलाया था और प्रतिपक्षी संयुक्त संगठनों को जेल में डाल दिया था, अब थोड़े कुछ बदलाव के साथ पुनः देश में वही हालात बनाने की तैयारी की जा रही है, इंदिरा जी के समय जनसंघ सहित अन्य दलों के नेताओं तथार के मादा सरकार के प्रतारब की तैयारी में जुटे हैं और अगले माह शुरू होने वाले राजनीतिक चुनावी माहसमर की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन वास्तविकता यही है कि न तो कोई मोदी और न ही भारतीय जनता पार्टी के सामने कोई क्षक्षम विरोधी दल है, जहां तक कथित रूप से मुख्य प्रतिपक्षी दल कांग्रेस का सबल है, वह तो वैसे ही मृत्युशैया पर अपनी अंतम सांस का इंतजार कर रही है, कांग्रेस को इस स्थिति वह उस खून करन का आवधकार होता है, तो कांग्रेस के साथ भी ऐसा ही है, नेहरू खानदान के मोतीलाल नेहरू इस दल के जन्मदातों में से एक थे और अब उनकी पांचवीं पीढ़ी ही आज इस दल का अस्तित्व खत्म करने में जुटी है और इसमें कोई शक नहीं कि उनके ऐसे ही प्रयास चलते रहे तो देश का यह सबसे बुजुर्ग राजनीतिक दल भारत की धरती से विद्वाल ले लेगा। अभी तो आसार ऐसे ही नजर आ रहे हैं और इन्हीं आसारों पर 204 / अयात अपना 96 साल का उम्र के लिए भी आसमानी हौसले रखते हैं। क्या उनका यह कथन कि हाव्यवे हेड लाइन नहीं, बल्कि डेल लाइन पर काम करते हैं, उनकी इसी शुभैच्छा का सकेत तो वे नहीं दे रहे हैं? देश, राजनीति और परिस्थितियों की जो भी स्थिति हो, किंतु हालात तो यही बन रहे हैं कि अब भारतीय राजनीति का भविष्य एकमेव रूप से मोदी जी और भाजपा के ही हाथों में आ गया है और अब उनके ना मादा के सामने काइ चुनाता की संभावना नहीं है। हमारे देश की आजादी के बाद पहिंत जावहर लाल नेहरू तथा उनकी बेटी इंदिरा जी ने करीब सत्रह-सत्रह साल प्रधानमंत्री के बतौर राज किया और इस लिहाज से मोदी जी के प्रधानमंत्रित्व काल के देखते हुए यदि यह मान लिया जाए तो अभी दस साल याने एक दशक कि मोदी जी कर्तव्य गलत नहीं है होगी। किसी भी देश में ऐसी स्थिति जो आजादी के सामने आठ साल का समय है, इसलिए यदि मोदी जी आर उसका विचार किसी सामने काइ चुनाता नहीं है, इसलिए मोदी जी के कथन को ह्यावॉक्हिंग की त्रैणी में न लेकर उसे वास्तविकता से जोड़कर देखें तो उनकी बेटी इंदिरा जी ने जाना चाहिए। इसलिए मौजूदा देश व राजनीति की स्थिति परिस्थिति के सामने मोदी जी के प्रधानमंत्रित्व काल के देखते हुए यदि यह मान लिया जाए तो अभी नेहरू-इंदिरा की ही जुराहा है, अभी नेहरू-इंदिरा की शासन अवधि की चुनौती के लिए उनके सामने सात-आठ साल का परिस्थिति कभी भी ही पैदा होता होगी। किसी भी देश में ऐसी स्थिति जो आजादी के सामने आठ साल का समय है, इसलिए यदि मोदी जी

पक्ष) पर है, इस कथन पर नापा को इसलिए दाद देनी पड़ेगी, क्यन्ति वे 2047 अर्थात् अपनी 96 साल की उम्र के लिए भी आसमानी रखते हैं। क्या उनका यह कथन हाह्यवे हेड लाइन नहीं, बल्कि लाईन पर काम करते हैं, उनकी शुभैच्छा का संकेत तो वे नहीं दें हैं? देश, राजनीति और परिरक्षणी की जो भी स्थिति हो, किंतु हाते तो यही बन रहे हैं कि अब भारत राजनीति का भविष्य एकमेव रूप में दो जी और भाजपा के ही है और अब उनमें आ गया है और अब उन्हें लै जाना है न कि जो पैदा करता है, वहीं उसे खत्म करने का अधिकारी होता है, तो कांग्रेस के साथ भी ऐसा ही है, नेहरू खानदान के मोतीलाल नेहरू इस दल के जन्मदाताओं में से एक थे और अब उनकी पांचवीं पीढ़ी ही आज इस दल का अस्तित्व खत्म करने में जुटी है और इसमें कोई शक नहीं कि उनके ऐसे ही प्रयास चलते रहे तो देश का यह सबसे बुजुर्ग राजनीतिक दल भारत की धरती से विदाई ले लेगा। अभी तो आसार ऐसे ही नजर आ रहे हैं और इन्हीं आसारों के दोनों देशों के दोनों देशों के

जा
ंकिं
की
सले
कि
डेड
इसी
रहे
तयों
लात
तीय
प से
थायों
नके
तक पाह राज कर, 2024 वर्षा,
मौजूदा हालात को देखते हुए 2047
में भी मोदी के सामने कोई चुनौती
की संभावना नहीं है। हमारे देश की
आजादी के बाद पड़ित जवाहर लाल
नेहरू तथा उनकी बेटी इंदिरा जी ने
करीब सत्रह-सत्रह साल प्रधानमंत्री
के बतौर राज किया और इस लिहाज
से मोदी जी के प्रधानमंत्रित्व काल के
तो अभी दस साल याने एक दशक
ही गुजरा है, अभी नेहरू-इंदिरा की
शासन अवधि की चुनौती के लिए
उनके सामने सात-आठ साल का
समय है, इसलिए यदि मोदी जी
जारी रखता है तो वह एक मात्र कांग्रेस ही राष्ट्रीय दल है
और उसकी स्थिति किसी से भी छुप्पी
नहीं है, इसलिए मोदी जी के कथन
को ह्यांगर्वीकृत ही क्षेत्री में न लेकर
उसे वास्तविकता से जोड़कर देखा
जाना चाहिए। इसलिए मौजूदा देश
व राजनीति की स्थिति परिस्थिति के
देखते हुए यदि यह मान लिया जाए
कि मोदी जी कर्तव्य गलत नहीं है
तो वह किसी की भी कार्रवाई भूल नहीं
होगी। किसी भी देश में ऐसी स्थिति
परिस्थिति कभी ही पैदा होती
है, इसका भारत ही नहीं विश्व के

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने छापेमारी कर भारी मात्रा में अंग्रेजी शब्द को किया बरामद महीनी। माझी थाना पुलिस ने सरयु नदी के फिनारे लूलीरिया गाँव के समीप स्थित राम जावली की मरियाद के बगल में छापेमारी कर भारी मात्रा में अंग्रेजी शब्द बरामद किया है। साथ ही पुलिस ने तो तकरी को घिरफतार कर लाइ गई उनकी बाइक को भी जब्त कर लिया है। थानाध्यक्ष अमित कुमार राम ने बताया कि माझी थाना पुलिस को युस सूचना मिली थी कि उनकी बाइक को उपयोग के लिए निकलने वाले हैं। सुचना पाकर पुलिस द्वारा वर्षी छापेमारी की गई। उनका एक पूर्ण चूनाव के दौरान बीड़ीओं सह एअरओं परिवहनी राजेश पायर ने की। बैठक के दौरान बीड़ीओं सह एअरओं ने सेक्टर मजिस्ट्रेट व पुलिस पदाधिकारी से लोकसभा चुनाव के मैनेजर थेट्रो में आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन करवाने का निर्देश दिया। पुलिस ने उनके पास से लगभग लगभग एक सौ 30 लीटर अंग्रेजी शब्द बरामद की है। वही उनकी बाइक को भी पुलिस जे लूट कर लिया है। घिरफतार किये गए तस्कर के बाद उनके बाद उनके पास से लोकसभा चुनाव के दौरान बीड़ीओं सह एअरओं ने सेक्टर मजिस्ट्रेट व पुलिस पदाधिकारी से लोकसभा चुनाव के मैनेजर थेट्रो में आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन करवाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी पुलिस पदाधिकारी और सेक्टर मजिस्ट्रेट थेट्रो में जितने वाली और चुनाव में खलल पैदा करने वाले व्यक्ति हैं उन्हें चिन्हित कर

लोकसभा चुनाव को लेकर सेक्टर मजिस्ट्रेट व पुलिस पदाधिकारी की बैठक आयोजित

बैठक में चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न करवाने को लेकर चुनाव आयोग के दिशा निर्देश का पालन करने की बात कही गई।

मध्यपुरा संवाददाता



उके ऊपर धारा 107 की कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता के तहत 72 घटे के अंदर सभी सरकारी भवन

और निजी भवन दीवाल, खंभे आदि पर से होड़िंग बैन योस्टर को हटाने की कार्रवाई की जानी है। इसके बाद 72 घटा बीत जाने पर अगर

कहीं भी बैनर योस्टर होडिंग पाया जाते हैं तो उच्चाधिकारी से निर्देश प्राप्त कर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। बैठक में चुनाव शांतिपूर्ण मौजूद थे।

क्रिकेट टूनामेंट में पूर्णिया ने अररिया को 30 से हराया

प्रातः किरण संवाददाता

क्रिया। टॉस जीतकर पूर्णिया टीम के खिलाड़ियोंने निर्धारित ओवर में 162 रन बनाकर आल आउट हो गए। जबाबद और अररिया टीम के खिलाड़ियोंने 19 वें ओवर में रन पाए आल आउट हो गए। इस तह अररिया टीम टूनामेंट टूनामेंट का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन में खलल द्वारा क्रिया के बाहर हो गए। पहला लीग मैच में पूर्णिया टीम के खिलाड़ियोंने 49 गेंद में 73 रन बनाने पर मैन ऑफ द मैच घोषित हुआ। टूनामेंट में अम्पायर नीरज कुमार बीटी और गहलुकुमार के लिए ब्यालोकाई

में अंग्रेजी अंग्रेजी और अंग्रेजी के बाहर हो गए।

मुलीमांज मध्यपुरा। शहर के बीएल हाई स्कूल मैदान पर रविवार की शाम न्यू टाउन स्पॉट क्लब के तत्वाधान में सात दिवसीय जिला स्टरीय टी-20 क्रिकेट टूनामेंट का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन में खलल द्वारा क्रिया के बाहर हो गए। क्रिया लीग मैच में पूर्णिया टीम के खिलाड़ियोंने 49 गेंद में 73 रन बनाने पर मैन ऑफ द मैच घोषित हुआ। टूनामेंट में अम्पायर नीरज कुमार बीटी और गहलुकुमार

मैशएक में अलग-अलग गांवों ने सइकट दूर्घटना में 4 घाया।

मशरक। मशरक थाना क्षेत्र के लालनपुर गांव में बाइक के सवार नाबालिंग छात्र की औटी से टक्कर हो गई जिसमें गंभीर रूप से घायल छात्र को इलाज के लिए सामूदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थानके भी कर्तव्य प्रयत्न के लिए उत्तराधिकारी ने उसे अपनी बाल रेफर कर दिया। छात्र बाइक पर सवार होकर लाखनपुर की तरफ गया और अग्रियत्रित हो औटी से टक्कर हो गई। जिसमें गंभीर रूप से घायल होने वाली थी। छात्र को बारे-में आयोजित बताया कि छात्र अंगुल कुमार राम ने बताया कि पुलिस द्वारा बाइक के लिए उत्तराधिकारी ने उसे अपनी बाल रेफर कर दिया।

मशरक में अलग-अलग गांवों ने सइकट दूर्घटना में 4 घाया।

मशरक। मशरक थाना क्षेत्र के लालनपुर गांव में बाइक के सवार नाबालिंग छात्र की औटी से टक्कर हो गई जिसमें गंभीर रूप से घायल होने वाली थी। छात्र को बारे-में आयोजित बताया कि छात्र अंगुल कुमार राम ने बताया कि पुलिस द्वारा बाइक के लिए उत्तराधिकारी ने उसे अपनी बाल रेफर कर दिया।

मशरक में अलग-अलग गांवों ने सइकट दूर्घटना में 4 घाया।

मशरक। मशरक थाना क्षेत्र के लालनपुर गांव में बाइक के सवार नाबालिंग छात्र की औटी से टक्कर हो गई जिसमें गंभीर रूप से घायल होने वाली थी। छात्र को बारे-में आयोजित बताया कि छात्र अंगुल कुमार राम ने बताया कि पुलिस द्वारा बाइक के लिए उत्तराधिकारी ने उसे अपनी बाल रेफर कर दिया।

मशरक में अलग-अलग गांवों ने सइकट दूर्घटना में 4 घाया।

मशरक। मशरक थाना क्षेत्र के लालनपुर गांव में बाइक के सवार नाबालिंग छात्र की औटी से टक्कर हो गई जिसमें गंभीर रूप से घायल होने वाली थी। छात्र को बारे-में आयोजित बताया कि छात्र अंगुल कुमार राम ने बताया कि पुलिस द्वारा बाइक के लिए उत्तराधिकारी ने उसे अपनी बाल रेफर कर दिया।

मशरक में अलग-अलग गांवों ने सइकट दूर्घटना में 4 घाया।

मशरक। मशरक थाना क्षेत्र के लालनपुर गांव में बाइक के सवार नाबालिंग छात्र की औटी से टक्कर हो गई जिसमें गंभीर रूप से घायल होने वाली थी। छात्र को बारे-में आयोजित बताया कि छात्र अंगुल कुमार राम ने बताया कि पुलिस द्वारा बाइक के लिए उत्तराधिकारी ने उसे अपनी बाल रेफर कर दिया।

मशरक में अलग-अलग गांवों ने सइकट दूर्घटना में 4 घाया।

मशरक। मशरक थाना क्षेत्र के लालनपुर गांव में बाइक के सवार नाबालिंग छात्र की औटी से टक्कर हो गई जिसमें गंभीर रूप से घायल होने वाली थी। छात्र को बारे-में आयोजित बताया कि छात्र अंगुल कुमार राम ने बताया कि पुलिस द्वारा बाइक के लिए उत्तराधिकारी ने उसे अपनी बाल रेफर कर दिया।

मशरक में अलग-अलग गांवों ने सइकट दूर्घटना में 4 घाया।

मशरक। मशरक थाना क्षेत्र के लालनपुर गांव में बाइक के सवार नाबालिंग छात्र की औटी से टक्कर हो गई जिसमें गंभीर रूप से घायल होने वाली थी। छात्र को बारे-में आयोजित बताया कि छात्र अंगुल कुमार राम ने बताया कि पुलिस द्वारा बाइक के लिए उत्तराधिकारी ने उसे अपनी बाल रेफर कर दिया।

मशरक में अलग-अलग गांवों ने सइकट दूर्घटना में 4 घाया।

मशरक। मशरक थाना क्षेत्र के लालनपुर गांव में बाइक के सवार नाबालिंग छात्र की औटी से टक्कर हो गई जिसमें गंभीर रूप से घायल होने वाली थी। छात्र को बारे-में आयोजित बताया कि छात्र अंगुल कुमार राम ने बताया कि पुलिस द्वारा बाइक के लिए उत्तराधिकारी ने उसे अपनी बाल रेफर कर दिया।

मशरक में अलग-अलग गांवों ने सइकट दूर्घटना में 4 घाया।

मशरक। मशरक थाना क्षेत्र के लालनपुर गांव में बाइक के सवार नाबालिंग छात्र की औटी से टक्कर हो गई जिसमें गंभीर रूप से घायल होने वाली थी। छात्र को बारे-में आयोजित बताया कि छात्र अंगुल कुमार राम ने बताया कि पुलिस द्वारा बाइक के लिए उत्तराधिकारी ने उसे अपनी बाल रेफर कर दिया।

मशरक में अलग-अलग गांवों ने सइकट दूर्घटना में 4 घाया।

मशरक। मशरक थाना क्षेत्र के लालनपुर गांव में बाइक के सवार नाबालिंग छात्र की औटी से टक्कर हो गई जिसमें गंभीर रूप से घायल होने वाली थी। छात्र को बारे-में आयोजित बताया कि छात्र अंगुल कुमार राम ने बताया कि पुलिस द्वारा बाइक के लिए उत्तराधिकारी ने उसे अपनी बाल रेफर कर दिया।

मशरक में अलग-अलग गांवों ने सइकट दूर्घटना में 4 घाया।

मशरक। मशरक थाना क्षेत्र के लालनपुर गांव में बाइक के सवार नाबालिंग छात्र की औटी से टक्कर हो गई जिसमें गंभीर रूप से घायल होने वाली थी। छात्र को बारे-में आयोजित बताया कि छात्र अंगुल कुमार राम ने बताया कि पुलिस द्वारा बाइक के लिए उत्तराधिकारी ने उसे अपनी बाल रेफर कर दिया।

मशरक में अलग-अलग गांवों ने सइकट दूर्घटना में 4 घाया।

मशरक। मशरक थाना क्षेत्र के लालनपुर गांव में बाइक के सवार नाबालिंग छात्र की औटी से टक्कर हो गई जिसमें गंभीर रूप से घायल होने वाली थी। छात्र को बारे-म

संक्षिप्त समाचार

हैदराबाद में छहीं गौंग ने स्कूल से
7.85 लाख रुपये लूटे

हैदराबाद, एजेंसी। कुछ उत्तर छहीं गौंग ने हैदराबाद में हमला कर फैसले पर के एक निजी स्कूल से 7.85 लाख रुपये नकद लूट लिए। साइबरबाबाद पुलिस कमिशनरेट के मियोपुर पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत वर्लंड वन स्कूल में रविवार रात को लूट की वारदात को अंजाम दिया गया। वारदात सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। फूटेज में अंडविंगर और दस्तने पहने दो नकाबपाश अपराधियों को स्कूल में घुसते और कीमती सामान खोजते हुए देखा गया है। स्कूल प्रबंधन द्वारा रिवार को शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। छहीं गौंग के सदस्य अलग-अलग इलाकों, खासकर बाहरी इलाकों में फिर से वारदात करने लगे हैं। पिछले साल अगस्त में गिरोह को माधारू में देखा गया था। यह गिरोह पड़ोसी राज्य आधिकारियों में रिहाई के बाहरी इलाकों में भी प्रत्याशी पाया गया पुलिस का मानना है कि छहीं गौंग के सदस्य दसरे राज्यों के होने वाले हैं। वे अक्सर कस्बे और शहरों के बाहरी इलाकों में फिर से वारदात करने लगे हैं।

लोकसभा चुनाव के लिए सुरक्षा बलों की बेहतर तैनाती की जाएगी-

जम्मू-कश्मीर के डीजीपी

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आर.आर. स्वेन ने रिवार को कहा कि यूटी प्रशासन लोकसभा चुनाव के लिए जल्दी सुरक्षा कार्यालय की संख्या को लेकर केंद्र सरकार के संपर्क में है। लोकसभा चुनाव के लिए सुरक्षाबलों की बेहतर तैनाती की जाएगी।

डीजीपी ने डोडा जिले में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शानिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग के स्पष्ट निर्देश हैं। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीदवारों को एक सुरक्षित माहौल और समान अवसर देना है। हम सुरक्षाबलों की जरूरत पर केंद्र सरकार के संपर्क में हैं। उन्होंने शानिपूर्ण चुनाव के लिए सुरक्षित वातावरण देने लिए सुरक्षाबलों के समर्पित उपयोग का अवश्यन दिया है।

डीजीपी से पत्रकारों ने सवाल खिलाफ़ किया कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद कब खत्म होगा, इसके जावाब में उन्होंने कहा कि हम कोई स्वतंत्र, निष्पक्ष और शानिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग के स्पष्ट निर्देश हैं। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीदवारों को एक सुरक्षित माहौल और मतदाताओं को एक सुरक्षित वातावरण देना है। हम सुरक्षाबलों की जरूरत पर केंद्र सरकार के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि एसपीएस और पुलिस परिवार का एक महाविपूर्ण हिस्सा है और उनके हितों की रक्षा के लिए हर संभव ध्यान रखा जाएगा।

कांग्रेस ने हिमाचल में मरियों को

बनाया चुनाव प्रभारी

शिमला, एजेंसी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने लोकसभा चुनावों के लिए प्रदेश के संसदीय क्षेत्र मंडली, कांगड़ा, हमीरपुर और शिमला के लिए चुनाव प्रभारियों की नियुक्तियां दी है। एक साथ विधायिकों की नियुक्तियां एवं प्रशासनिक कार्यों के लिए भी पार्टी नेताओं को तैनात किया गया है। उपमुख्यमंत्री मुकेश अनिहोत्री और पांच कैबिनेट मंत्रियों को इन सीटों का जिम्मा सौंपा गया है। लोकसभा प्रभारी की नियमदारी दी गई है। उनकी पार्टी प्रतिभा सिंह मंडली सीट के नियमदारी दी गई है।

कांग्रेस ने चारों सीटों पर अभी अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। माना जा रहा है कि एक-दो दिन में हार्दिक मान चारों उम्मीदवारों का एकालन कर देगा। बीते वर्षों प्रदेश कांग्रेस कर्मी नेताओं ने आवेदन मार्गी थे। पूरे प्रदेश से लगभग 40 नेताओं ने चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व जिताऊ उम्मीदवारों पर मंथन कर रहा है।

आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर कांग्रेस पार्टी प्रचार की संयुक्त रणनीति बनाएगी



नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 में आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर कांग्रेस पार्टी प्रचार की संयुक्त रणनीति बनाएगी। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, इसे लेकर दोनों पार्टियों के बीच सहायता बनाई जा रही है। इंडिया गठबंधन के बड़े नेताओं की भी जागरूकता इसके लिए आयोजित करने की भी संभावना ही तलाशी जा रही है।

हाँ। आम आदमी पार्टी ने भी गठबंधन के तीन उम्मीदवारों के नामों की भी घोषणा ही जाएगी। इसके साथ ही कांग्रेस का अभियान भी जारी रखकर चल रहा है।

दिल्ली में भाजपा का विजय रथ रोकने के लिए इस बार बदला ये रोमांच: दिल्ली कांग्रेस की ओर से तीनों सीटों पर एक-एक उम्मीदवार का नाम तय करके पार्टी नेतृत्व को भेजा जा चुका है। माना जा रहा है कि सोमवार को होने वाली

कंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में दिल्ली के तीन उम्मीदवारों के नामों की भी घोषणा ही जाएगी। इसके साथ ही कांग्रेस का अभियान भी जारी रखकर चल रहा है।

हम जीत के लिए पूरा जोर लगाएंगे - चौपांड़ी: दिल्ली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा ने बताया कि वह चुनाव इंडिया गठबंधन संयुक्त रूप से लड़ रहा है। इसलिए चुनाव प्रचार में भी इसकी ज़िलक गठबंधन की पकड़ सकती है।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी के लिए पूरा जोर लगाएगा।

एलिंश पर कसा शिकंजा, पुलिस पर तंज पड़ा महंगा



नईदिल्ली, एजेंसी। रेव पार्टी में सांपों का

आरोप लगा दिया।

खुली चुनौती देकर उसने रेव पार्टी में मौजूद होने की बात साबित करने को कहा था। इन्होंने यह भी कहा कि अगर नोएडा पुलिस ने आरोप साबित कर दिया तो वह कपड़े खोलकर नाचेगा।

जयपुर से एक एफएसएल रिपोर्ट के अध्ययन के लिए छह सदस्यीय टीम बनाई गई। जयपुर से एक एफएसएल रिपोर्ट में पूछि हुई थी कि जो नमूने भेजे गए थे, उनमें कोबारा के करेट प्रज्ञाति के सांपों का जहर था। इसके अध्ययन में लगातार एक-एक उम्मीदवारों को एकालन कर दिया गया है।

एनडीपीएस एक्ट में 20 वर्ष तक सजा का प्रावधान: कानून के जानकारों के अनुसार, सांपों का जहर सप्लाई करने को एक एफएसएल रिपोर्ट के अधिनियम के तहत जितने भी केस देखाएं तर्फ संरक्षण अधिनियम के तहत जितने भी केस देखाएं तर्फ संरक्षण अधिनियम के अधिनियम है, भारतीय संसद का एक अधिनियम है, जिसी भी व्यक्ति को उत्तराधिकारी के उत्तराधिकारी के नाम सुनना जा सकता है।

यह है एनडीपीएस एक्ट: एनडीपीएस एक्ट का मतलब होता है नारकोटिक्स इम्प्रेंड साइकोट्रोपिक स्लैटेंस एक्ट 1985, जिसे आम तौर पर एनडीपीएस एक्ट के रूप में जाना जाता है। भारतीय संसद का एक अधिनियम है, जिसकी भी व्यक्ति को उत्तराधिकारी के उत्तराधिकारी के नाम सुनना जा सकता है।

यह है एनडीपीएस एक्ट: एनडीपीएस एक्ट का मतलब होता है नारकोटिक्स इम्प्रेंड साइकोट्रोपिक स्लैटेंस एक्ट 1985, जिसे आम तौर पर एनडीपीएस एक्ट के रूप में जाना जाता है। इसके अधिकारी के नाम सुनना जा सकता है।

यह है एनडीपीएस एक्ट: एनडीपीएस एक्ट का मतलब होता है नारकोटिक्स इम्प्रेंड साइकोट्रोपिक स्लैटेंस एक्ट 1985, जिसे आम तौर पर एनडीपीएस एक्ट के रूप में जाना जाता है। इसके अधिकारी के नाम सुनना जा सकता है।

यह है एनडीपीएस एक्ट: एनडीपीएस एक्ट का मतलब होता है नारकोटिक्स इम्प्रेंड साइकोट्रोपिक स्लैटेंस एक्ट 1985, जिसे आम तौर पर एनडीपीएस एक्ट के रूप में जाना जाता है। इसके अधिकारी के नाम सुनना जा सकता है।

यह है एनडीपीएस एक्ट: एनडीपीएस एक्ट का मतलब होता है नारकोटिक्स इम्प्रेंड साइकोट्रोपिक स्लैटेंस एक्ट 1985, जिसे आम तौर पर एनडीपीएस एक्ट के रूप में जाना जाता है। इसके अधिकारी के नाम सुनना जा सकता है।

यह है एनडीपीएस एक्ट: एनडीपीएस एक्ट का मतलब होता है नारकोटिक्स इम्प्रेंड साइकोट्रोपिक स्लैटेंस एक्ट 1985, जिसे आम तौर पर एनडीपीएस एक्ट के रूप में जाना जाता है। इसके अधिकारी के नाम सुनना जा सकता है।

यह है एनडीपीएस एक्ट: एनडीपीएस एक्ट का मतलब होता है नारकोटिक्स इम्प्रेंड साइकोट्रोपिक स्लैटेंस एक्ट 1985, जिसे आम तौर पर एनडीपीएस एक्ट के रूप में जाना जाता है। इसके अधिकारी के नाम सुनना जा सकता है।

यह है एनडीपीएस एक्ट: एनडीपीएस एक्ट का मतलब होता है नारकोटिक्स इम्प्रेंड साइकोट्रोपिक स्लैटेंस एक्ट 1985, जिसे आम तौर पर एनडीपीएस एक्ट के रूप में जाना जाता है। इसके अध